

दून यूनिवर्सिटी में नशा मुक्ति के लिए बनेगी टास्क फोर्स

देहरादून, बरिष्ठ संवाददाता। नशामुक्त देश-प्रदेश के लिए सबसे पहले शिक्षण संस्थानों को पूरी तरह से नशा मुक्त करना होगा। इसी सोच के साथ दून यूनिवर्सिटी में नशामुक्ति के लिए टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। गुरुवार को नशामुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वीसी प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने यह जानकारी दी।

छात्र-छात्राओं ने विभिन्न तरीकों से नशामुक्ति का संदेश दिया गया। साथ ही, जागरूकता रैली भी निकाली गई। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के निर्देश पर अंबेडकर चेंबर की ओर से यह

नशे के खिलाफ आजादी का बिगुल बजाना होगा

इस दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने छात्रों के साथ ही प्रोफेसरों संग ऑनलाइन संवाद किया। उन्होंने कहा कि 75 साल पहले हमें एक आजादी मिली थी और अब हमें नशे के खिलाफ आजादी का बिगुल बजाना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवा पीढ़ी को नशे से दूर करने की हरसंभव कोशिश कर रही है।

८८ युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाना बहुत जरूरी है। संयुक्त परिवार प्रथा खत्म होने से लोग अवसाद में आ रहे हैं, जो युवाओं में नशे की लत का सबसे बड़ा कारण है। नशे की लत शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर समाज को खोखला कर रही है। इसलिए हमने नशे के खिलाफ टास्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। - प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति-दून यूनिवर्सिटी

अभियान चलाया गया। नुकड़-नाटक के अलावा स्लोगन और भाषण प्रतियोगिताओं से भी छात्रों ने

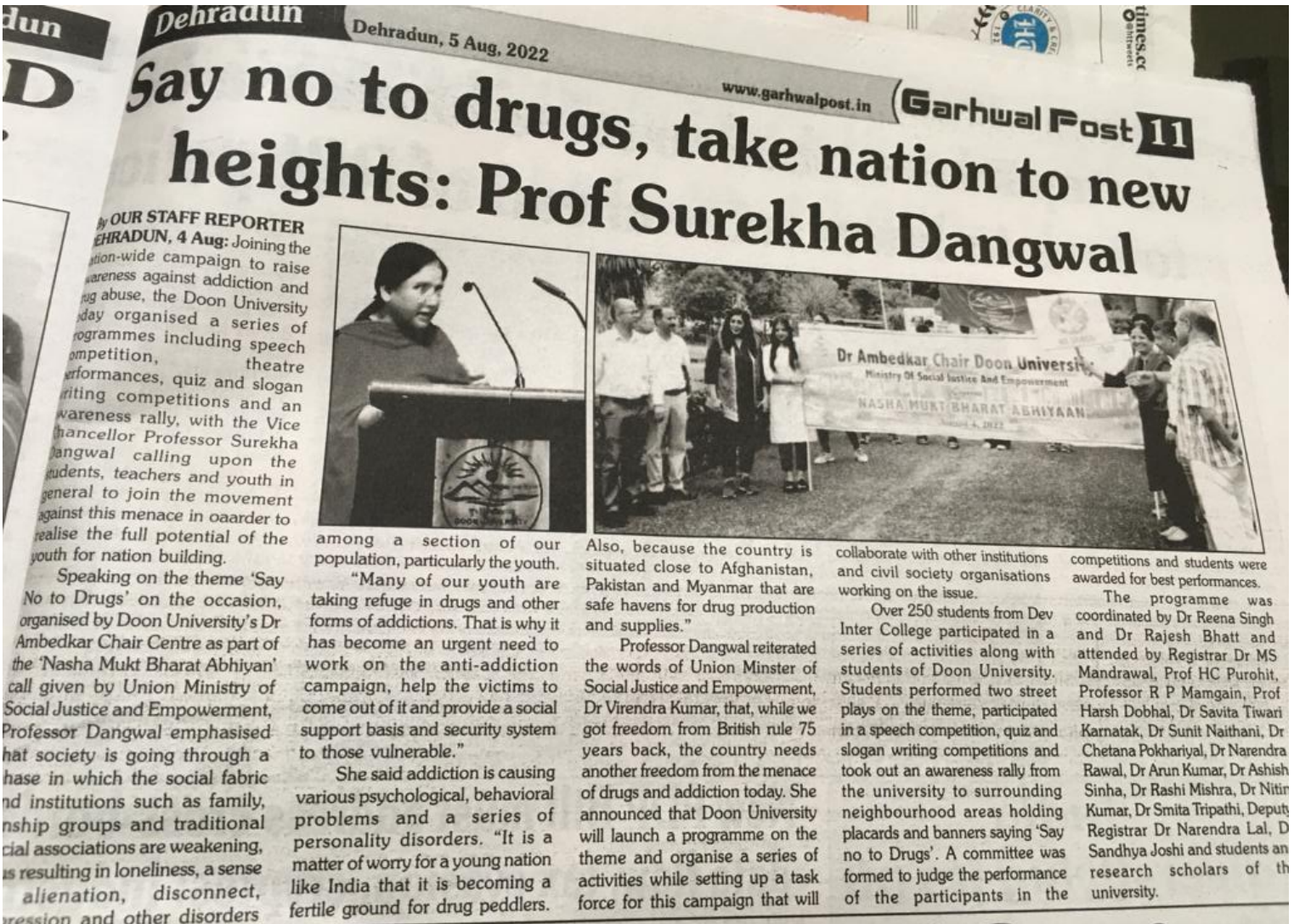
नशा मुक्ति का संदेश दिया। इस दौरान डॉ. रीना सिंह, डॉ. राजेश भट्ट, कुलसचिव डॉ. एमएस मंदरवाल,



दून यूनिवर्सिटी में गुरुवार को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया। • हिन्दुस्तान

डीएसडब्ल्यू के प्रो. एचसी पुरोहित, प्रो. आरपी ममगाई, प्रो. हर्ष डोभाल, डॉ. सविता तिवारी कर्नाटक, डॉ.

चेतना पोखरियाल, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. नरेंद्र रावल, डॉ. आशीष सिन्हा, डॉ. प्रीति मिश्रा मौजूद रहे।



Say no to drugs, take nation to new heights: Prof Surekha Dangwal

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 4 Aug: Joining the nation-wide campaign to raise awareness against addiction and drug abuse, the Doon University today organised a series of programmes including speech competition, theatre performances, quiz and slogan writing competitions and an awareness rally, with the Vice Chancellor Professor Surekha Dangwal calling upon the students, teachers and youth in general to join the movement against this menace in order to realise the full potential of the youth for nation building.

Speaking on the theme 'Say No to Drugs' on the occasion, organised by Doon University's Dr Ambedkar Chair Centre as part of the 'Nasha Mukti Bharat Abhiyan' call given by Union Ministry of Social Justice and Empowerment, Professor Dangwal emphasised that society is going through a phase in which the social fabric and institutions such as family, kinship groups and traditional social associations are weakening, thus resulting in loneliness, a sense of alienation, disconnect, depression and other disorders



among a section of our population, particularly the youth.

"Many of our youth are taking refuge in drugs and other forms of addictions. That is why it has become an urgent need to work on the anti-addiction campaign, help the victims to come out of it and provide a social support basis and security system to those vulnerable."

She said addiction is causing various psychological, behavioral problems and a series of personality disorders. "It is a matter of worry for a young nation like India that it is becoming a fertile ground for drug peddlers.



Also, because the country is situated close to Afghanistan, Pakistan and Myanmar that are safe havens for drug production and supplies."

Professor Dangwal reiterated the words of Union Minister of Social Justice and Empowerment, Dr Virendra Kumar, that, while we got freedom from British rule 75 years back, the country needs another freedom from the menace of drugs and addiction today. She announced that Doon University will launch a programme on the theme and organise a series of activities while setting up a task force for this campaign that will

collaborate with other institutions and civil society organisations working on the issue.

Over 250 students from Dev Inter College participated in a series of activities along with students of Doon University. Students performed two street plays on the theme, participated in a speech competition, quiz and slogan writing competitions and took out an awareness rally from the university to surrounding neighbourhood areas holding placards and banners saying 'Say no to Drugs'. A committee was formed to judge the performance of the participants in the

competitions and students were awarded for best performances.

The programme was coordinated by Dr Reena Singh and Dr Rajesh Bhatt and attended by Registrar Dr MS Mandrawal, Prof HC Purohit, Professor R P Mangain, Prof Harsh Dobhal, Dr Savita Tiwari Karnatak, Dr Sunit Naithani, Dr Chetana Pokhariyal, Dr Narendra Rawal, Dr Arun Kumar, Dr Ashish Sinha, Dr Rashi Mishra, Dr Nitin Kumar, Dr Smita Tripathi, Deputy Registrar Dr Narendra Lal, Dr Sandhya Joshi and students and research scholars of the university.

युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना होगा: डंगवाल

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

देरादून। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में संचालित नशा मुक्ति अभियान के तहत दून विश्वविद्यालय में स्थापित अंबेडकर चेयर के अंतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान के विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की थीम से नो टू ड्रग्स अर्थात नशे को ना कहें थी। इस कार्यक्रम में दून विवि के विद्यार्थियों के साथ-साथ सारा देव इंटर कॉलेज के लगभग ढाई सौ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में नुककड़ नाटक, स्लोगन कंपटीशन, भाषण प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में अग्रणी आए विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक रैली भी निकाली गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय डा वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से 75 इंस्टिट्यूट और यूनिवर्सिटी को संबोधित कर विद्यार्थियों, लेक्चरर



» दून विवि में नशा मुक्त भारत अभियान सम्मेलन
» कार्यक्रम में नुककड़ नाटक, स्लोगन का किया आयोजन

और प्रोफेसर के साथ संवाद स्थापित किया। कहा कि 75 साल पहले हमें एक आजादी मिली थी और अब हमें एक और आजादी चाहिए जो कि नशे से संबंधित है। इस मौके पर दून विवि की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाना अति आवश्यक है। सामाजिक संस्थाएं जैसे कि परिवार और सहायता समूह

समाप्त हो रहे हैं। कार्यक्रम में मंच का संचालन नशा मुक्ति भारत अभियान हेतु विवि की संयोजक डॉ रीना सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ राजेश भट्ट थे। कार्यक्रम के में दून विवि के कुलसचिव डॉ एमएस मंदरवाल, डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर एच सी पुरोहित, प्रोफेसर आर पी मंगई, प्रोफेसर हर्ष डोभाल, डा. सविता तिवारी कर्नाटक, डा. चेतना पोखरियाल, डॉ अरुण कुमार, डा. नरेंद्र रावल, डॉ आशीष सिन्हा, डा. नितिन कुमार, डॉ प्रीति मिश्रा, डॉ राशि मिश्रा, डॉ सुनीत नैथानी, डॉ स्मिता त्रिपाठी, उप कुलसचिव नरेंद्र लाल डा.संध्या जोशी सहित विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

Awareness can save youth from drug abuse- Union minister

PNS ■ DEHRADUN

Under the ongoing 'Nasha Mukta Bharat Abhiyan' of the union ministry of Social Justice and Empowerment, an awareness campaign 'Say No

line interaction with the students and faculty members of 75 universities and institutes of the country. In his address, the union minister said that

ister said that it is our responsibility to be sensitive towards substance abuse and the future generation can be saved by the ill effects of drugs by creating awareness.



Speaking on the occasion, the Vice Chancellor (VC) of the Doon University, Surekha Dangwal said that it has become necessary to prevent the younger generation from falling prey to the menace of drugs. She said that the directionless youngsters take to drugs as a shortcut for success. Dangwal said that the teachers and other members of the society should develop the habit of objecting to the youngsters on drugs and create awareness in the society on ill effects of the drugs on health. She said that the Doon University would take

an initiative in this regard and set up a task force for this.

The registrar of the university M S Mandarwal, dean of student welfare H C Purohit and others were present on the occasion.

to Drugs' was organised by the Doon University on Thursday. The event was organised under the aegis of the Ambedkar Chair of the university.

drug addiction is not only taking a toll on the health of the affected person but also is affecting the family, society and country. He said that the Nasha Mukta Bharat campaign was started in the year 2020 and now it has spread to all parts of the country. The min-

ister said that it is our responsibility to be sensitive towards substance abuse and the future generation can be saved by the ill effects of drugs by creating awareness.

40 वर्ष

प्राप्त

डिग्री

ब्द

के

का

न

री

छात्रों से बोले केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार

दून विवि में नशा मुक्त अभियान के तहत छात्रों को प्रमाणपत्र दिए गए। संवाद

देहरादून। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय की ओर से दून विवि में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नशे को ना कहें की थीम पर आधारित कार्यक्रम में विवि के विद्यार्थियों के साथ देव इंटर कॉलेज के 250 विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। इस दौरान विवि की कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए विवि की ओर से टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा।

बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने ऑनलाइन सत्र के माध्यम से 75 इंस्टीट्यूट और विवि को संबोधित करते हुए कहा कि 75 वर्ष पूर्व हमें अंग्रेजों से आजादी मिली थी। अब हमें नशे से भी आजादी चाहिए।

कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए मोदी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। विवि की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाना अति आवश्यक है।

कहा कि नशे की लत इंसान को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर नुकसान पहुंचाती है। इस मौके पर डॉ. रीना सिंह, डॉ. राजेश भट्ट, कुलसचिव डॉ. एमएस मंदरवाल, प्रो. एचसी पुरोहित, प्रो. आरपी ममगाई, प्रो. हर्ष डोभाल, डॉ. सविता तिवारी आदि मौजूद रहे। संवाद